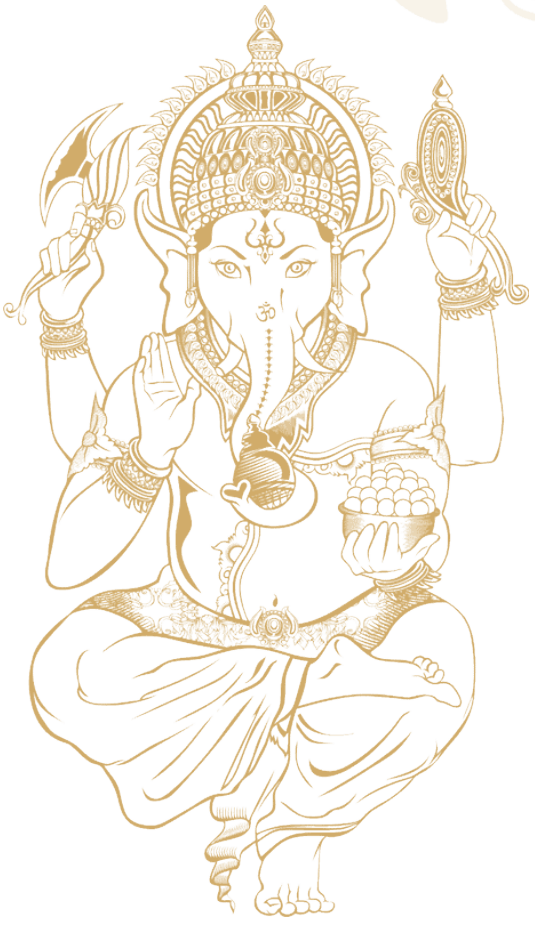

Sandeep Sanjana

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121809704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/04/2001	जन्म तिथि	5-06/07/2007
बुधवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 08:00:00	जन्म समय	04:00:00 घंटे
घटी 04:49:49	जन्म समय(घटी)	55:34:43 घटी
India	देश	India
Sanwer	स्थान	Ujjain
22:59:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:04	सूर्योदय	05:45:42
18:48:00	सूर्यास्त	19:16:25
23:52:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:57:49

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 0मा 5दि		06:55:20	वृष	लग्न	वृष	24:21:44	गुरु 8वर्ष 2मा 18दि	
गुरु		04:15:11	मेष	सूर्य	मिथु	19:33:32	शनि	
24/04/2022		00:55:25	कुंभ	चंद्र	कुंभ	26:29:11	23/09/2015	
24/04/2038		02:05:44	धनु	मंगल	मेष	13:57:50	22/09/2034	
गुरु	11/06/2024	28:24:04	मीन	बुध व	मिथु	09:11:53	शनि	26/09/2018
शनि	23/12/2026	16:57:30	वृष	गुरु व	वृश्चि	17:29:50	बुध	05/06/2021
बुध	30/03/2029	07:40:23	मीन व	शुक्र	सिंह	01:18:50	केतु	14/07/2022
केतु	06/03/2030	05:47:54	वृष	शनि	कर्क	28:52:39	शुक्र	13/09/2025
शुक्र	04/11/2032	15:28:42	मिथु व	राहु	कुंभ	14:28:56	सूर्य	26/08/2026
सूर्य	23/08/2033	15:28:42	धनु व	केतु	सिंह	14:28:56	चन्द्र	26/03/2028
चन्द्र	23/12/2034	00:16:27	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	24:40:07	मंगल	05/05/2029
मंगल	29/11/2035	14:45:49	मक	नेप व	मक	27:37:45	राहु	11/03/2032
राहु	24/04/2038	21:09:04	वृश्चि व	प्लूटो व	धनु	03:15:07	गुरु	22/09/2034

लग्न-चलित

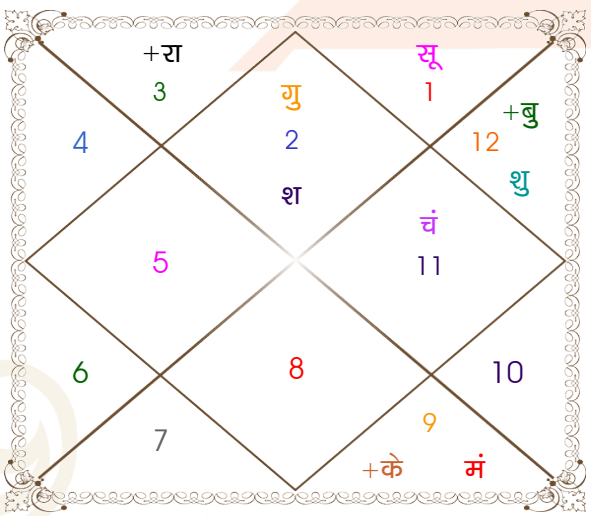

लग्न-चलित

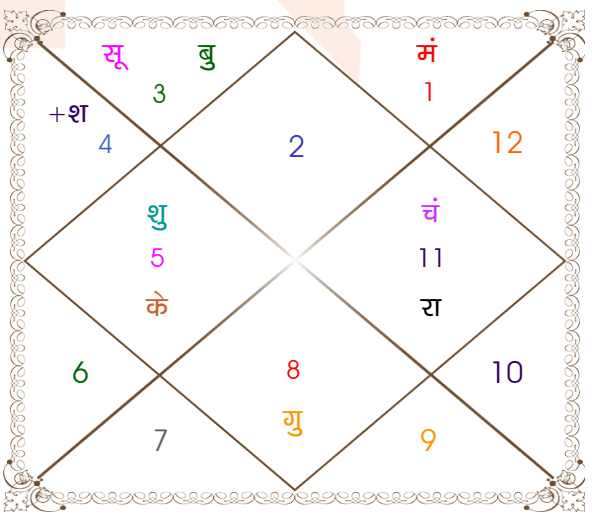

श्री संकटमोचन ज्योतिष केंद्र
नरसिंह मंदिर,कलाल घाट,तोड़ा,सांवेर(जिला)इंदौर
वैदिक पंडित पंकज मंडलोई ज्योतिष आचार्य
+91 9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ैंदकममच का वर्ग मार्जार है तथाैंदरंदं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैंदकममच औरैंदरंदं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ैंदकममच मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ैंदरंदं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगलैंदरंदं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगलैंदरंदं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ैदरंदं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैदकममच तथाैदरंदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।